मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MJY–001

एम. ए. (ज्योतिष)

(एम. ए. जे. वाई.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

एम.जे.वाई–001 : भारतीय ज्योतिष का परिचय एवं ऐतिहासिकता

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न पत्र कुल दो खण्डों में विभक्त है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 20 अंक निर्धारित हैं।*

3×20=60

1. कालक्रम के आधार पर ज्योतिष के विकास का सविस्तार वर्णन कीजिए।

2. ज्योतिषशास्त्र के प्रवर्तक आचार्यों का परिचय प्रस्तुत कीजिए।

3. समाज में ज्योतिष की उपयोगिता पर प्रकाश डालिए।

4. समस्याओं के निराकरण में सूर्य आदि ग्रहों के व्रत–जप–दान आदि का सविस्तार वर्णन कीजिए।

5. पठित अंश के आधार पर होराशास्त्र के आधारभूत सिद्धांतों पर प्रकाश डालिए।

6. सृष्टि–उत्पत्ति के किन्हीं **तीन** सिद्धान्तों का सप्रमाण वर्णन कीजिए।

खण्ड—ख

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए। प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।*

4×10=40

7. सिद्धान्त स्कन्ध के किसी **एक** प्रमुख आचार्य का परिचय देते हुए उनके कर्तृत्व का उल्लेख कीजिए।

8. किन्हीं **दो** वेदाङ्गों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

9. पठित अंश के आधार पर 'दकार्गल' का परिचय सप्रमाण दीजिए।

10. पठित अंश के आधार पर रामायण में संहिता के बीज पर प्रकाश डालिए।

11. 'बृहज्जातक' ग्रन्थ का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

12. भारतीय ज्योतिष पर वैदेशिक इतिहासकारों के मतों का उल्लेख कीजिए।

13. वैदिक साहित्य में वर्णित पञ्चसम्वत्सरात्मक युग का परिचय दीजिए।

14. शनि ग्रह के भौतिक स्वरूप का परिचय दीजिए।

× × × × × × ×